SET-04

Series JSK/2

Code No. 004/2/4

रोल नं.

परीक्षार्थी प्रश्न पत्र (QP) को OMR उत्तर–पत्रक के मुख–पृष्ठ पर अवश्य लिखें।

नोट :
(i) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न–पत्र में मुद्रित पृष्ठ 10 है।
(ii) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न–पत्र में 55 बहुविकल्पीय (MCQs) है।
(iii) प्रश्न–पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए QP कोड नम्बर को छात्र OMR शीट में उपयुक्त स्थान पर लिखें।
(iv) परीक्षा शुरू होने के वास्तविक समय से पहले इस प्रश्न–पत्र को पढ़ने के लिए 20 मिनट का अतिरिक्त समय आबंटित किया गया है।

हिन्दी(ब)

सत्र–1

निर्धारित समय : 90 मिनट **अधिकतम् अंक: 40**

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पूरी तरह से पालन कीजिएः

(i) इस प्रश्न–पत्र में कुल **55** प्रश्न दिये गए है जिनमें से केवल **40** प्रश्नों के उत्तर देने है।

(ii) सभी प्रश्न समान अंक के हैं।

(iii) प्रश्न–पत्र में तीन खंड है – खंड–क, ख और ग।

(iv) **खण्ड –क** में **20** प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्न संख्या **1** से **20** में से **10** प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार देने है।

(v) **खण्ड –ख** में **21** प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्न संख्या **21** से **41** में से **16** प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार देने है।

(vi) **खण्ड –ग** में **14** प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्न संख्या **42** से **55** तक सभी प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार देने है।

(vii) प्रत्येक खंड में निर्देशानुसार परीक्षार्थियों द्वारा पहले उत्तर किए गए वांछित प्रश्नों का ही मूल्यांकन किया जाएगा

(viii) प्रत्येक प्रश्न के लिए केवल एक ही सही विकल्प है। एक विकल्प से अधिक उत्तर देने पर अंक नहीं दिये जाएँगे।

(ix) ऋणात्मक अंकन नहीं होगा।

खण्ड –क
(अपठित गद्यांश)

I. नीचे दो अपठित गद्यांश दिए गए हैं। किसी एक गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए :

'प्रबुद्ध भारत', दिसंबर 1898, को दिए एक साक्षात्कार में विवेकानंदजी ने बताया कि मैंने पृथ्वी के दोनों गोलार्धों का पर्यटन किया है। मेरा तो दृढ़ विश्वास है कि जिस जाति ने सीता को उत्पन्न किया, चाहे वह उसकी कल्पना ही क्यों न हो, उस जाति में स्त्री जाति के लिए इतना अधिक सम्मान और श्रद्धा है, जिसकी तुलना संसार में हो ही नहीं सकती। पाश्चात्य स्त्रियाँ ऐसे कई कानूनी बंधनों से जकड़ी हुई हैं, जिनसे भारतीय स्त्रियाँ सर्वथा मुक्त एवं अपरिचित हैं। भारतीय समाज में निश्चय ही दोष और अपवाद दोनों हैं। पर यही स्थिति पाश्चात्य समाज की भी है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि संसार के सभी भागों में प्रीति, कोमलता और साधुता को अभिव्यक्त करने के प्रयत्न चल रहे हैं। भारतीय स्त्री जीवन में बहुत सी समस्याएँ हैं और ये समस्याएँ बड़ी गंभीर है। परन्तु इनमें से कोई भी ऐसी नहीं हैं जो 'शिक्षा' रूपी मंत्र बल से हल न हो सके। पर हाँ, शिक्षा की सच्ची कल्पना हममें से कदाचित ही किसी ने की हो। मैं मानता हूँ कि सच्ची शिक्षा वह है जिससे मनुष्य की मानसिक शक्तियों का विकास हो। वह शब्दों का केवल रटना मात्र न हो। यह व्यक्ति की मानसिक शक्तियों का ऐसा विकास हो जिससे वह स्वयमेव स्वतंत्रतापूर्वक विचार करके उचित निर्णय कर सके। भारतीय स्त्रियों को ऐसी शिक्षा दी जाए जिससे वे निर्भय होकर भारत के प्रति अपने कर्तव्य को भली–भाँति निभा सकें और संघमित्रा, लीला, अहिल्याबाई और मीरा आदि महान भारतीय देवियों की परंपरा को आगे बढ़ा सकें, 'वीर–प्रसूता' बन सकें।

1. गद्यांश में समस्त विश्व द्वारा किए जाने वाले किन प्रयत्नों का उल्लेख है ?
(a) स्त्रियों को धार्मिक–सामाजिक शिक्षा दिए जाने के लिए किए जाने वाले प्रयास ।
(b) लोगो में प्रेम, सज्जनता एवं संवेदनशीलता के विकास के लिए किए गए प्रयास ।
(c) मानव जाति को धर्म–राजनीति की शिक्षा हेतु किए जाने वाले प्रयास ।
(d) समस्त समस्याओं का समाधान धर्म में तलाशने हेतु किए जाने वाले प्रयास ।
Ans. (b)

2. "भारतीय समाज में निश्चय ही दोष और अपवाद दोनों है।'' विवेकानंद ने ऐसा क्यों कहा?
(a) भारतीय समाज में महिलाओं के शोषित और सशक्त दोनों रूप होने के कारण ।
(b) भारतीय समाज में महिलाओं का बहुत अधिक शोषण होने के कारण।
(c) भारतीय समाज में महिलाओं के अत्यधिक धार्मिक होने के कारण ।
(d) भारतीय समाज में महिलाओं के अत्यधिक अशिक्षित होने के कारण।
Ans. (a)

3. 'सच्ची शिक्षा' की परिकल्पना में शामिल नहीं है–
(a) धर्म–शिक्षा के माध्यम से सामाजिक समस्याओं का समाधान
(b) महिलाओं की शिक्षा प्राप्ति में समान रूप से भागीदारी
(c) अभय, सजगता एवं कर्तव्यबोध के विकास हेतु शिक्षा
(d) स्वतंत्र सोच एवं निर्णय क्षमता के विकास हेतु शिक्षा
Ans. (a)

4. हर समस्या के समाधान का राम–बाण है–
(a) सर्व शिक्षा (b) स्त्री शिक्षा (c) सामाजिक शिक्षा (d) राजनैतिक शिक्षा
Ans. (a)

5. 'वीर–प्रसूता' का आशय हे
(a) अपना निर्णय स्वंय लेने वालो (b) परंपराओं का निर्वाह करने वाला
(c) वीरों को जन्म देने वाली (d) कर्तव्य का बोध रखने वाली
Ans. (c)

अथवा

सोना तपने पर कंचन बनता है कि ठीक यही बात आदमी के साथी भी हैं। हमारे धर्मग्रन्थों में कहा गया है कि दुनिया में सबसे दुर्लभ आदमी का शरीर है। सारे प्राणियों में आदमी को ऊँचा माना गया है और वह इसलिए कि आदमी के पास बुद्धि है विवेक है। संसार में जितनी चीजें आविष्कृत हुई है, सब बुद्धि के जोर पर हुई है। आज हजारों मील की यात्रा घंटों में हो जाती है। यह सब आदमी की बुद्धि से ही संभव हुआ है। जिसके पास इतनी चीजें हों वह धन या दुनियादारी की चीजों के पीछे भटके, यह उचित नहीं है। बुद्धि का प्रयोग उसे बराबर आगे बढ़ने के लिए करना चाहिए। जिन्होंने ऐसा किया है, उन्होंने मानवता की बड़ी सेवा की है। उनका नाम अमर हो गया है। धन का खोट आदमी को तब मालूम होता है, जब वह खरा बनने लगता है। खरा बनने का अर्थ नहीं है कि इंसान घर–बार छोड़ दे, जंगल में चला जाए और भगवान के चरणों में लौ लगाकर बेठा रहे। बहुत–से लोग ऐसा करते भी है, पर यह रास्ता सबका रास्ता नहीं है। दुनिया में ज्यादातर लोगों का वास्ता अपने घर के लोगों से ही नहीं, दूसरों के साथ भी पड़ता है। उत्तम पुरुष वह है, जो अपनी बुराइयों को दूर करता है और नीति का जीवन बिताते हुए अपने देश और समाज के काम आता है, सबसे प्रेम करता है और सबके सुख–दुख में काम आता है।

6. बुद्धि –विवेक का प्रयोग किस कार्य में होना चाहिए ?

(a) सफर को आसान बनाने वाली खोजों में। (b) अधिक से अधिक धन–दौलत जुटाने में।

(c) निरंतर स्वयं का विकास करते रहने में। (d) भौतिक सुख–सुविधाओं को प्राप्त करने में।

Ans. (c)

7. सभी प्राणियों में मानव को सर्वश्रेष्ठ क्यों माना गया है ?

(a) उसके पास मौजूद बुद्धि और विवेक के कारण। (b) पशुओं से भिन्न विशेष शारीरिक संरचना के कारण।

(c) उसके पास मौजूद धन और दौलत के कारम (d) उसके द्वारा की गई विविध खोजों के कारण।

Ans. (a)

8. धन की निरर्थकता का अहसास कब होता है?

(a) जब उससे मनचाही वस्तु नहीं मिल पाती है

(b) घर–संसार का कर संन्यास त्याग ग्रहण करने पर

(c) यह पता चलने पर कि इससे प्राप्त सुख वास्तविक नहीं है।

(d) यह पता चलने पर कि इसकी मौजूदगी खतरे का कारण है।

Ans. (c)

9. धर्मग्रंथ किसे दुर्लभ बताते है?

(a) अमर होने का (b) बुद्धि–विवेक को (c) भौतिक उपलब्धि को (d) मानव तन को

Ans. (d)

10. 'श्रेष्ठ' कौन है ?

(a) प्रेम और मानवता में विश्वास करने वाला। (b) निरंतर अपना आर्थिक विकास करने वाला

(c) भक्ति और शक्ति में विश्वास करने वाला । (d) निरंतर अपना शैक्षणिक विकास करने वाला

Ans. (a)

II. नीचे दो गद्यांश दिए गए हैं। किसी एक गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए–

मध्यप्रदेश के देवास जनपद में लोगों के संकल्प और पुरुषार्थ से 1067 तालाब बनाए गए। पर्याप्त संख्या में तालाब न होने से मध्यप्रदेश में पानी की कमी बनी रहती है लेकिन देवास में पानी की किल्लत खत्म हो गई है। ऐसा ही संकल्प अगर देश के हर गाँव और कस्बे में रहने वाले लोगों में आ जाए तो मानी को लेकर हाहाकार की स्थिति किसी गाँव में नहीं होगी। परंपरागत तालाब संस्कृति को पुनः जीवित किए बिना हर गाँव में तालाब संस्कृति का पुनर्वास नहीं हो सकता। आज देश के 254 जिलों में पानी की भारी किल्लत है। इससे यहाँ की आबादी को उसकी जरूरत के मुताबिक पानी नहीं मिल पा रहा है। पानी का अत्यधिक दोहन और पानी की खपत बढ़ने के कारण पिछले 30-40 वर्षों में पानी की समस्या तेजी से बढ़ी है। एक तरफ तो पानी की प्रति व्यक्ति माँग निरंतर बढ़ती जा रही है वहीं दूसरी ओर देश की आबादी भी लगातार बढ़ रही है। ऐसे में पानी की माँग बढ़ेगी और उसकी उपलब्धता कम होती जाएगी। केंद्रीय मौसम विज्ञान के अनुसार देश की कुल वार्षिक वर्षा 1170 मि.मी. होती है, यह भी महज तीन महीने में लेकिन इस अकूत पानी का इस्तेमाल

हम महज 20% ही कर पाते हैं अर्थात् 80% पानी बिना इस्तेमाल यों ही वह जाता है। अगर बरसात के पानी को संरक्षित करने की योजना पर अमल करें तो पानी की कमी से ही छुटकारा नहीं मिलेगा बल्कि पानी को लेकर होने बाली राजनीति से भी हमेशा के लिए छुटकारा मिल जाएगा।

11. जल को लेकर होने वाली राजनीति को कैसे दूर किया जा सकता है?
(a) जल को लेकर कोरी राजनीति करके ।
(b) जल को लेकर राजनीति न करके ।
(c) जल संबंधी कानूनों का निर्माण करके।
(d) जल संरक्षण की योजना पर अमल करके।

Ans. (d)

12. देवास निवासियों की जल समस्या का समाधान हुआ–
(a) जल संरक्षण हेतु व्यापक रूप से तालाबों का निर्माण करके ।
(b) जल संरक्षण हेतु व्यापक रूप से धरना–प्रदर्शन करके ।
(c) जल संरक्षण हेतु व्यापक रूप से राजनीति करके ।
(d) जल संरक्षण हेतु व्यापक रूप से कानून निर्माण करके ।

Ans. (a)

13. वार्षिक वर्षा का कितना प्रतिशत जल बर्बाद हो जाता है ?
(a) 80 प्रतिशत (b) 20 प्रतिशत (c) 30 प्रतिशत (d) 40 प्रतिशत

Ans. (a)

14. देश की जल संबंधी समस्या का सर्वोपयुक्त समाधान है
(a) वर्षा के जल को संरक्षित करने की योजना बनाना।
(b) वर्षा के जल को संरक्षित करने हेतु कानून बनाना।
(c) वर्षा के जल को संरक्षित करने पर विचार–विमर्श करना।
(d) वर्षा के जल को संरक्षित करने की योजना पर अमल करना।

Ans. (d)

15. निम्नलिखित में से क्या जल की बढ़ती किल्लत का कारण नहीं है
(a) जल की बढ़ती खपत
(b) देश की बढ़ती आबादी
(c) तालाबों का संरक्षण
(d) जल का अत्यधिक दोहन

Ans. (c)

अथवा

ईश्वर का नाम लेकर उस पर विश्वास कर हम मन में शक्ति का एकीकरण कर कार्यरत होते हैं। हमारा विश्वास मजबूत होता है कि हमारे साथ ईश्वर है। हम इस कार्य में सफल होंगे। आत्मविश्वास को बनाने के लिए ईश्वर का अस्तित्व बनाया गया है। इसके साथ–साथ 'ईश्वर' की कल्पना मनुष्य को अभी भी करती है। एकांत में भी मनुष्य कोई पाप या गलत काम न कर इसी आधार पर उसे सर्वव्यापी सर्वद्रष्टा पतलाया गया है। कण–कण में उसका निवास माना गया है। मनुष्य पर नियंत्रण रखते के लिए किसी न किसी शक्ति की आवश्यकता तो है ही इसी आधार पर ईश्वर की संकल्पना की गई और इसी प्रकार असफलताओं को रोकने के लिए, अपने दोष पर परदा डालने के लिए 'भाग्य' की भी कल्पना की गई। हम स्वयं अपने भाग्य विधाता है। जैसा कार्य करेंगे, वैसा फल पाएंगे। अतएव भाग्य को आप दोष न दें। चींटी को देखें। वह कितनी बार चढ़ती–गिरती है। अगर वह भाग्यवादी होती तो फिर चढ़ ही न पाती। निरंतर प्रयास करके ही यह सफल होती है। यह भाग्य पर निर्भर नहीं, कर्म करके दिखलाती है। इस कारण बराबर कार्य में लगे रहें। सफलता हाथ आए या फिर असफलता सफलता पर प्रसन्न कर अपनी प्रगति धीमी न करें। असफलता पर घबराकर या निराश होकर मैदान छोड़कर न भागे । अपना कार्य बराबर आगे बढ़ाते रहें। जो उद्यम करते हैं, परिश्रमरत रहते हैं, निरंतर अपने कदम का ध्यान रखते हैं, वे अवश्य ही जो भी इच्छा करते हैं, पा जाया करते हैं।

16. अकर्मण्य अपनी असफलता का कारण किसे मानते हैं?
(a) ईश्वर को (b) दुर्भाग्य को (c) सौभाग्य को (d) परिश्रम को

Ans. (b)

17. मनुष्य का भाग्य विधाता कौन है
(a) उसके अपने कर्म (b) उसका अपना भाग्य (c) उसकी अपनी शिक्षा (d) उसका अपना ज्ञान
Ans. (a)

18. ईश्वर की संकल्पना क्यों की गई है ?
(a) हमें कुमार्ग पर जाने से रोकने के लिए। (b) हमें पुण्य करने का महत्त्व समझाने के लिए।
(c) हमे भाग्य में विश्वास करना सिखाने के लिए। (d) डर कर आगे बढ़ने के लिए।
Ans. (a)

19. चींटी हमें क्या संदेश देती है ?
(a) उठने के लिए गिरना आवश्यक है। (b) सफलता बार–बार गिरने से मिलती है।
(c) सफलता हेतु सतत प्रयास आवश्यक है। (d) गिरने के लिए उठना आवश्यक है।
Ans. (c)

20. गद्यांश में समर्थन किया गया है
(a) धर्मवाद का। (b) ईश्वरवाद का। (c) भाग्यवाद का। (d) कर्मवाद का
Ans. (d)

खंड – ख
(व्यावहारिक व्याकरण)

III. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए

21. 'कमरे में आते ही भाई साहब का वह <u>रौद्र रूप</u> देखकर प्राण सूख जाते। –रेखांकित पदबंध है
(a) सर्वनाम पदबंध (b) विशेषण पदबंध (c) संज्ञा पदबंध (d) क्रियाविशेषण पदबंध
Ans. (c)

22. सुलेमान उनकी बातें सुनकर थोड़ी दूर पर रुक गए।' –इस वाक्य में क्रिया पदबंध है
(a) उनकी बातें सुनकर (b) थोड़ी दूर पर (c) रुक गए (d) बातें सुनकर थोड़ी दूर
Ans. (c)

23. 'उसने सारा को <u>तरह–तरह</u> से अपमानित किया।' – इस वाक्य में रेखांकित पदबंध का प्रकार है–
(a) विशेषण पदबंध (b) क्रियाविशेषण पदबंध (c) सर्वनाम पदबंध (d) क्रिया पदबंध
Ans. (b)

24. '<u>फैलते हुए प्रदूषण</u> ने पंछियो को बस्तियों से भगाना शुरू कर दिया।'' –रेखांकित पदबंध का भेद है –
(a) संज्ञा पदबंध (b) सर्वनाम पदबंध (c) किया पदबंध (d) विशेषण पदबंध
Ans. (a)

25. 'वह तलवार को <u>अपनी तरफ खींचते–खींचतें</u> दूर तक पहुंच गया।' –रेखांकित पदबंध का भेद छाँटिए ।
(a) क्रिया पदबंध (b) विशेषण पदबंध (c) क्रियाविशेषण पदबंध (d) सर्वनाम पदबंध
Ans. (c)

IV. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए :

26. निम्नलिखित में से उपयुक्त सरल वाक्य छाँटिए–
(a) जो कुछ पढ़ो, उसका अभिप्राय समझो।
(b) भाई साहब उपदेश देने की कला में निपुण थे।
(c) मैं उनकी लताड़ सुनता और आँसू बहाने लगता ।
(d) वे तो वही देखते हैं जो पुस्तक में लिखा है।
Ans. (b)

27. 'खिड़की के बाहर अब दोनों कबूतर रात–भर खामोश और उदास बैठे रहते हैं।' –रचना की दृष्टि से वाक्य है –
(a) सरल वाक्य (b) संयुक्त वाक्य (c) मिश्र वाक्य (d) संकेतवाचक वाक्य
Ans. (a)

28. 'नूह ने उसकी बात सुनी और दुःखी हो मुद्दत तक रोते रहे।
–इस वाक्य का सरल वाक्य के रूप में रूपांतरित वाक्य है–
(a) जब नूह ने उसकी बात सुनी तब वे दुःखी हो गए और मुद्दत तक रोते रहे।
(b) नूह उसकी बात सुनकर दुःखी हो मुद्दत तक रोते रहे।
(c) नूह ने दुःखी होकर उसकी बात सुनी और मुद्दत तक रोते रहे।
(d) चूँकि नूह ने उसकी बात सुनी इसलिए वे दुःखी हो मुद्दत तक रोते रहे।
Ans. (b)

29. निम्नलिखित बाक्यों में संयुक्त वाक्य है –
(a) संसार की रचना कैसे भी हुई हो लेकिन धरती किसी एक की नहीं है।
(b) सहसा नारियल के झुरमुटों में उसे एक आकृति कुछ साफ हुई।
(c) बार–बार तताँरा का याचना भरा चेहरा उसकी आँखों में तैर जाता था।
(d) मेरे जीवन में यह पहली बार है कि मैं इस तरह से विचलित हुआ हूँ।
Ans. (a)

30. 'सालाना इम्तिहान में मैं पास हो गया और दरजे में प्रथम आया।'
रूपांतरित करने पर इस वाक्य का मिश्र वाक्य होगा–
(a) सालाना इम्तिहान में मैं पास होकर दरजे में प्रथम आया।
(b) सालाना इम्तिहान हुआ, मैं पास हो गया और दरजे में प्रथम आया।
(c) मैं पास हो गया और दरजे में प्रथम आया क्योंकि सालाना इतिहास हुआ।
(d) जब सालाना इम्तिहान हुआ तो मैं उसमें पास हो गया और दरजे में प्रथम आया।
Ans. (d)

V. निम्नलिखित छह प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए:

31. 'नरहरि' शब्द किस समास का उदाहरण है ?
(a) अव्ययीभाव समास (b) द्विगु समास (c) तत्पुरुष समास (d) कर्मधारय समास
Ans. (c)

32. तत्पुरुष समास का उदाहरण है
(a) थोड़ा–बहुत (b) आगे–पीछे (c) परिंदे–चरिंदे (d) शब्द–रचना
Ans. (d)

33. अव्ययीभाव समास का उदाहरण नहीं है
(a) बेवक्त (b) बेहतर (c) बेकार (d) बेराह
Ans. (b)

34. 'आँचरहित' शब्द के लिए सही समास विग्रह है–
(a) आँच से रहित (b) आँच और रहित (c) आँच में रहित (d) रहित आँच के
Ans. (a)

35. उत्तर पद प्रधान होता है–
(a) बहुव्रीहि समास का (b) अव्ययीभाव समास का (c) द्वंद्व समास का (d) तत्पुरुष समास का
Ans. (d)

36. 'शब्दहीन' शब्द के लिए सही समास विग्रह और भेद का चयन कीजिए–
(a) शब्द है जो हीन – कर्मधारय (b) हीन है जो शब्द–तत्पुरुष
(c) शब्द से हीन – कर्मधारय (d) शब्द से हीन–तत्पुरुष
Ans. (d)

VI निम्नलिखित पाँच में से किन्ही चार प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए–

37. ''निराशा के बादल छंटना' मुहावरे का सही अर्थ है
(a) कुछ अच्छा होना (b) परेशान होना (c) उदासी दूर होना (d) दुःखी हो जाना
Ans. (c)

38. 'व्यंग्य करना' वाक्यांश के लिए उपयुक्त मुहावरा है–
(a) सूक्ति बाण चलाना (b) आड़े हाथों लेना (c) दांतों पसीना आना (d) बहुत फजीहत करना
Ans. (a)

39. ईश्वर को पाने के लिए..... ही पड़ता है। –रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए उपयुक्त मुहावरे का चयन कीजिए।
(a) बेराह चलना (b) आपा खोना (c) मुँह की खाना (d) लोहा मानना
Ans. (b)

40. मुहावरे और अर्थ के उचित मेल वाले विकल्प का चयन कीजिए।
(a) घुड़कियाँ खाना–साहस प्राप्त होना (b) तलवार खींचना – सब कुछ नष्ट करना
(c) पन्ने रंगना – व्यर्थ में लिखना (d) आग–बबूला होना – अपने वश में रहना
Ans. (c)

41. ''आटे–दाल का भाव मालूम होना' मुहावरे का अर्थ है
(a) किसी को सबक सिखाना (b) कठिनाइयों का ज्ञान होना
(c) चीजों के भाव पता चलना (d) खरीदारी के गुरों का ज्ञान होता।
Ans. (b)

खण्ड –ग
(पाठ्यपुस्तक)

VII. निम्नलिखित पठित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए

जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि है मैं नाहि
सब अँधियारा मिटि गया. जब दीपक देख्या माँहि ।।
पोथी पढ़ि–पढ़ि जग मुवा, पंडित भया न कोइ।
ऐकै अषिर पीव का, पढै सु पंडित होइ ।।

42. 'जब मैं था' में 'मैं' का प्रतीक है ?
(a) कवि (b) ईश्वर (c) जगत (d) अहंकार
Ans. (d)

43. कवि ने सच्चा ज्ञानी किसे माना है?
(a) जो बहुत अधिक शिक्षित हो (b) जो बिलकुल ही अशिक्षित हो
(c) जो धार्मिक नियमों को माने (d) जो सबके प्रति प्रेम–भाव रखे
Ans. (d)

44. ईश्वर–ज्ञान कैसे संभव है ?
(a) भक्ति भाव पूर्ण भजन से (b) तीर्थ यात्रा पर जाने से
(c) पर्याप्त दान–पुण्य करने से (d) अहंकार के नष्ट होने से
Ans. (d)

45. निम्नलिखित कथनों में से सत्य कथन छाँटिए
(a) ईश्वर और अज्ञान का निवास साथ–साथ ही होता है।
(b) ईश्वर और मैं–भाव साथ–साथ निवास नहीं कर सकते ।
(c) ईश्वर और अहंकार में परस्पर विरोध भाव नहीं है।
(d) ईश्वर और अहंकार में परस्पर सहयोग का भाव होता है।
Ans. (b)

VIII. निम्नलिखित सर्वित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिए

वामीरों घर पहुंचकर भीतर ही भीतर कुछ बेचैनी महसूस करने लगी। उसके भीतर तताँरा से मुक्त होने की एक झूठी छटपटाहट थी। एक झल्लाहट में उसने दरवाजा बंद किया और मन को किसी और दिशा में ले जाने का प्रयास किया। बार–बार तताँरा का याचना भरा चेहरा उसकी आँखों में तैर जाता । उसने तताँरा के बारे में कई कहानियाँ सुन रखी थी। उसकी कल्पना में यह एक अद्भुत साहसी युवक था। किंतु यही उसके सम्मुख एक अलग रूप में आया। सुंदर, सभ्य, बलिष्ठ किंतु बेहद शांत और भोला । उसका व्यक्तित्व कदाचित वैसा ही था जैसा वह अपने जीवन साथी के बारे में सोचती रही थी। किंतु एक दूसरे गाँव के युवक के साथ संबंध परंपरा के विरुद्ध था। अतएव उसने उसे भूल जाना ही श्रेयस्कर समझा।

46. वामीरो के लिए तताँरा को भूलना क्यों आवश्यक था
(a) तताँरा से मिलकर उसका मन बेचैन हो गया था।
(b) तताँरा ने उसे गीत गाने को विवश किया था।
(c) वह उसके जीवन–साथी की कल्पना पर खरा नहीं था ।
(d) दूसरे गाँव के युवक से संबंध रखना परंपरा के विरुद्ध था।
Ans. (d)

47. वामीरों घर पहुंचकर कैसा महसूस कर रही थी?
(a) आह्लादित (b) संयत (c) संकुचित (d) असहज
Ans. (d)

48. तताँरा से मुक्त होने की झूठी छटपटाहट् का आशय है
(a) सहानुभूति और दिखावे के लिए मुक्त होने का दिखावा करना।
(b) यह सचमुच ही तताँरा की यादों से मुक्त होना चाहती थी।
(c) उसे तताँरा के तरीके और बातों पर गुस्सा आ रहा था।
(d) वह तताँरा के तौर–तरीके से बहुत अधिक प्रभावित थी।
Ans. (d)

49. वामीरों की कल्पना वाला तताँरा कैसा था ?
(a) अदभुत साहसी (b) सभ्य–भोला (c) भोला– शांत (d) सुंदर–सभ्य
Ans. (a)

50. गाँव की क्या परंपरा थी
(a) अपने गाँव के सूचक से संबंध–निषेध की। (b) दूसरे गाँव के युवक से संबंध –निषेध की।
(c) तताँरा जैसे युवक के साथ संबंध–निषेध की। (d) याचक जैसे युवक के साथ संबंध निषेध की।
Ans. (b)

IX. निम्नलिखित पठित गद्यांग पर आधारित प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनिएः

बाइबिल और दूसरे पावन ग्रंथों में नूह नाम के एक पैगंबर का जिक्र मिलता है। उनका असली नाम लशकर था। लेकिन अरब में उन्हें नूह के लकब से याद किया जाता है। वह इसलिए कि वह सारी उम्र रोते रहे। इसका कारण एक जख्मी कुत्ता था। नूह के सामने से एक बार एक घायल कुत्ता गुजरा। नूह से उसे दुत्कारते हुए कहा, 'दूर हो जा गंदे कुत्ते !' इस्लाम में कुत्तों को गंदा समझा जाता है। कुत्ते ने उनकी दुत्कार सुनकर जवाब दिया, 'न मैं अपनी मर्जी से कुत्ता हूँ, न तुम अपनी पसंद से इनसान हो। बनाने वाला सबका तो वही एक है।'

मट्टी से मट्टी मिले, खो के सभी निशान ।
किसमें कितना कौन है, कैसे हो पहचान ।।

नूह ने जब उसकी बात सुनी तब दुःखी हो मुद्दत तक रोते रहे। 'महाभारत' में युधिष्ठिर का जो अंत तक साथ निभाता नजर आता है, वह भी प्रतीकात्मक रूप में एक कुत्ता ही था।

51. सभी जीवों का जन्म किसकी मर्जी से होता है ?
(a) स्वयं की (b) धर्म की (c) कर्म की (d) ईश्वर की
Ans. (d)

52. नूह सारी उम्र क्यों रोते रहे ?
(a) लशकर होने के कारण (b) पैगंबर होने के कारण
(c) प्रायश्चित्त–भाव के कारण (d) अस्वस्थ होने के कारण
Ans. (c)

53. गद्यांश का संदेश है
(a) हमें सबके प्रति असंवेदनशील होना चाहिए। (b) इसमें सबके प्रति संवेदनशील होना चाहिए।
(c) हमें किसी गलती के लिए ताउम्र रोना चाहिए। (d) ताउम्र रोना ही सही मायने में प्रायश्चित्त है।
Ans. (b)

54. 'मट्टी से मट्टी मिले, खोकर सभी निशान' का आशय है–
(a) मृत्युपरांत सभी जीवों का निजी अस्तित्व समाप्त हो जाता है।
(b) मिट्टी, मिट्टी में ही मिलाई जा सकती है।
(c) सभी जीवों का निर्माण मिट्टी से नहीं हुआ है।
(d) सभी जीवों का अस्तित्व स्वयं उसके वश में हैं।
Ans. (a)

55. नूह ने कुत्ते को क्यों दुत्कारा ?
(a) वह उनसे अधिक ज्ञानी था। (b) वह उन्हें काफी खतरनाक लगा ।
(c) उन्हें कुत्ते पसंद नहीं थे। (d) वे कुत्ते को गंदा मानते थे ।
Ans. (d)

Resonance®
Educating for better tomorrow

कुछ सपने ज़िंदगी भर की खुशियाँ दे जाते हैं

ACADEMIC STRENGTHS

Qualified & Excellent Faculty
Highly Result Proven and Experienced Faculty Members

Study Material
Topic-wise study material with all the key concepts, problems for practice and important questions are updated regularly

Daily Practice Problems
DPPs are solved daily with the students for practice after every session to ensure proper grasp of concept

Doubt Classes
1 on 1 Doubt Classes are conducted for students to ensure individual doubts are fully cleared

Course Planner
A pre-defined week-wise yearly course planning of lectures, tests & course content

Periodic Tests
Periodic pattern tests are conducted regularly, based on JEE Advanced / Main / NEET

Recorded Video Lecture
Students who missed regular classes can watch recorded video lectures in computer lab to cover up the topics

Olympiad Preparation
Special classes are organised for other National level exams like Olympiads, KVPY

Computer Based Test (CBT)
Online test will be conducted as per the new change in the pattern, for better practice of our students

Board Exam Support
Specialized all Board Exam classes are conducted to ensure success in Board Exams

Make-up Classes
Especially organized for the students who have missed the classes or have doubt in particular topic or chapter

Concept Building Classes
CBC are conducted to have special focus on Important topics

ADMISSION OPEN
for Session 2022-23

Class 5 to 12 & 12+

Target: JEE (Main+ Adv.)
JEE (Main) | NEET
Pre- foundation

For Apply Online visit www.resonance.ac.in or Call: 9352676055, 9352529244, 7340010332

Results @ Resonance

JEE (ADV.) 2021

AIR-8
CHAITANYA AGGARWAL
Classroom Student

JEE (MAIN) 2021
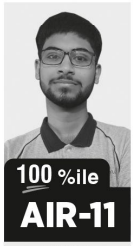
100 %ile
AIR-11
KUMAR SATYADARSHI
Classroom Student

NEET (UG) 2021
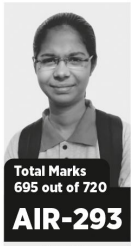
Total Marks 695 out of 720
AIR-293
KHUSHI LAHOTI
Classroom Student

CS-EXECUTIVE
(December 2020)

AIR-1
AKANKSHA GUPTA
Classroom Student

Students qualified for

IITs 48 हजार+ SINCE 2002

NITs 2.33 लाख+ SINCE 2009

NEET 17 हजार+ SINCE 2012

Resonance Eduventures Ltd.
Registered & Corporate Office: CG Tower, A-46 & 52, IPIA, Near City Mall, Jhalawar Road, Kota (Rajasthan) - 324005
Toll Free: 1800 258 5555 | **Tel. No.:** 0744-2777777, 2777700 | **Fax :** 022-39167222 | **CIN:** U80302RJ2007PLC024029 | Email: contact@resonance.ac.in